– Save This Page as a PDF–

यहूदिया में यीशु की स्वीकृति



यीशु ने अपने चमत्कारों के कारण यहूदिया में
व्यापक स्वीकृति प्राप्त की। उनके चमत्कारों का उद्देश्य इज़राइल के लिए एक संकेत के रूप में सेवा करना था, जिससे कि वह अपने मसीहाई दावों के बारे में निर्णय लेने के लिए प्रेरित हो सके। वह मसीहा था या नहीं? वह सामान्य रूप से इस्राएल राष्ट्र को और विशेष रूप से यहूदी धार्मिक नेताओं को उस प्रश्न से बचने नहीं देगा।

येशु ने जो चमत्कार किए वे उनके व्यक्तित्व और उनके संदेश दोनों को प्रमाणित करेंगे। सबसे पहले, यह मान्य होगा कि वह वास्तव में यहूदी मसीहा (उसका व्यक्ति) था, और वह मसीहाई राज्य (यशायाह ११:१-१६; प्रकाशितवाक्य २०:१-६), या यहूदी भविष्यद्वक्ताओं द्वारा बोले गए राज्य की पेशकश कर रहा था (उनका संदेश)। ताकि यदि वे पहले उसे मसीहारूपी राजा के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार हों, तो वे अपने समय में स्थापित मसीहारूपी राज्य को देख सकें।